31. शिक्षा के सामाजिक कार्य (List-I) को उसके प्रमुख समाजशास्त्रीय उद्देश्यों (List-II) से मिलाइए:

सूची-I (कार्य)	सूची-II (उद्देश्य)
(a) समाजीकरण की प्रक्रिया	(I) निराधार विश्वासों और अवैज्ञानिक पूर्वाग्रहों में परिवर्तन करना
(b) सामाजिक व्यक्तित्व का विकास	(II) देशभक्ति और अच्छे नागरिकता के गुण विकसित करना
(c) दृष्टिकोणों का पुनर्गठन	(III) व्यक्तियों को संस्कृति के अनुरूप ढालकर समाज में एकीकृत करना
(d) प्रतिस्पर्धा की भावना	(IV) अंकों एवं मूल्यांकन के माध्यम से बच्चों की तुलना करना

(A) a-III, b-II, c-I, d-IV

(B) a-II, b-III, c-I, d-IV

(C) a-III, b-I, c-II, d-IV

(D) a-IV, b-III, c-II, d-I

Match the Social Function of Education (List-I) with its core Sociological Objective (List-II):

List-I (Function)	List-II (Objective)
(a) Socialisation Process	(I) Modifying unfounded beliefs and illogical prejudices
(b) Development of Social Personality	(II) Instilling patriotic sentiments and good citizenship
(c) Reformation of Attitudes	(III) Integrating individuals into society by moulding them to fit the culture
(d) Spirit of Competition	(IV) Comparing children with peers through marks and evaluation

(A) a-III, b-II, c-I, d-IV

(B) a-II, b-III, c-I, d-IV

(C) a-III, b-I, c-II, d-IV

(D) a-IV, b-III, c-II, d-I

32. पूंजीवादी कार्यस्थल (capitalist workplace) में 'श्रम विभाजन (division of labour)' सामाजिक वियोजन (alienation) में विशेष रूप से कैसे योगदान देता है?

(A) यह ऐसी प्रतिस्पर्धा उत्पन्न करता है जो लोगों के बीच जैविक/सामाजिक संबंधों को व्यवस्थित रूप से कमजोर कर देती है।

(B) यह 'हानि की भावना' (sense of loss) को बढ़ावा देता है जो कल्याण के लिए आवश्यक है।

(C) यह विशेषीकृत कार्यों के माध्यम से श्रमिक की सृजनात्मक क्षमता को बढ़ाता है।

(D) यह सुनिश्चित करता है कि प्रकृति को अपने आप में एक मूल्यवान वस्तु के रूप में देखा जाए।

How does the 'division of labour' specifically contribute to social alienation in the capitalist workplace?

(A) By engendering competition that systematically denies organic connections between people.

(B) By fostering a 'sense of loss' that is essential to well-being.

(C) By increasing the creative capacity of the worker through specialized tasks.

(D) By ensuring that nature is regarded as a worthwhile thing in itself.